वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 71 | रविवार 9 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गोविंददेवजी मंदिर के लिए सीएम ने मंजूर किए 20 करोड़

काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर बनेगा कॉरिडोर

जयपुर. कासं। सीएम अशोक गहलोत ने जयपुर के गोविंद देवजी मंदिर में विकास कामों के लिए 20.30 करोड़ रुपए का फंड मंजूर किया है। सीएम ने बजट में 100 करोड़ की लागत से गोविंद देवजी मंदिर का कॉरिडोर बनाने और दूसरे विकास काम करवाने की घोषणा की थी। गोविंद देवजी मंदिर के कॉरिडोर को काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित करने का प्लान तैयार किया है। सीएम ने बीकानेर के राजरतन बिहारी मंदिर के लिए भी 3.62 करोड़ मंजूर किए हैं। दोनों ही जग पर्यटन विकास कोष से पैसा खर्च किया जाएगा। इस फंड से इन मंदिरों का सौंदर्यीकरण करने के साथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। चुनावी साल में मंदिरों और धार्मिक कामों पर सरकार खास फोकस कर रही है। पिछले दिनों भी सरकार ने मंदिरों के विकास के लिए बजट में की गई घोषणाओं के कामों को मंजूरी देते हुए फंड अलॉट किया था।

66 आईटीआई में बनेंगे स्मार्ट क्लास रूम,97 आईटीआई सोलर पॉवर प्लांट लगेंगे

प्रदेश के 66 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में स्मार्ट क्लास रूम बनेंगे। हर आईटीआई में एक-एक स्मार्ट क्लास रूम बनेगा। हर स्मार्ट क्लास पर 2.62 लाख रुपए की लागत आएगी। इसमें कुल 1 करोड़ 72 लाख 92 हजार रुपए खर्च होंगे। सीएम अशोक गहलोत ने इसके लिए फंड की मंजूरी दे दी है। सीएम ने प्रदेश के 97 आईटीआई और आठ दफ्तरों में सोलर पॉवर प्लांट लगाने के लिए 12.88 करोड़ रुपए के फंड को मंजूरी दी है। हर आईटीआई में 2601.60 किलोवाट के स्मॉल सोलर प्लांट लगाए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री बोले-खत्म हो पासबुक का सिस्टम

कहा- RTE के लिए बनेगी हेल्पलाइन, 13,000 पदों पर होगी टीचर्स की भर्ती

जयपुर. कासं

राजस्थान सरकार एक बार फिर पासबुक, वनडे सीरीज और वन वीक सीरीज पर अंकुश लगाने की तैयारी कर रही है। जयपुर में शिक्षा विभाग की कार्यशाला को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा कि इस तरह की किताबों ने स्टूडेंट्स के दिमाग को खोखला कर दिया है। जिससे वह अच्छे से पढ़ लिखकर तैयारी नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए अब शिक्षा विभाग इस पासबुक सिस्टम को पूरी तरह खत्म करेगा। ताकि राजस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर से और बेहतर बनाया जा सके। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा कि सीएम गहलोत राजस्थान को नॉलेज सेंटर बनाना चाहते हैं लेकिन इसमें वन डे सीरीज, वन वीक पास बुक्स की एंट्री सही नहीं है। इनसे स्टूडेंट का दिमाग खोखला हो जाता है। इसी वजह से स्टूडेंट प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार नहीं हो पाता है। इसलिए हमें इन्हें स्टूडेंट्स से दूर करना होगा। राजस्थान से पासबुक सिस्टम को खत्म करना होगा। कल्ला ने कहा कि राजस्थान के सरकारी स्कूलों से पढ़े हुए बच्चे IAS अधिकारी भी बने हैं। ऐसे में हमें फिर से प्रदेश की शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर से और बेहतर बनाना होगा तभी हम अपने मिशन में कामियाब हो सकेंगे। इस दौरान शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने RTE मामले में आ रही परेशानियों को जिला स्तर पर इन्हें सुलझाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर एक केंद्र बनाया जाए। जिसमें डीईओ अपने माध्यम से RTE के मामलों को सुलझाएंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि RTE के तहत प्री प्राइमरी का मामला फिलहाल कोर्ट में है। ऐसे में सरकार कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रही है। कोर्ट जो भी फैसला होगा, हम उसे ही मानेंगे। वहीं शिक्षा मंत्री कल्ला ने बताया कि महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में टीचर्स के पदों पर फिर से भर्ती होने जा रही है जिसमें इस बार 13 हजार पदों पर टीचर्स की भर्ती की जाएगी। सीएम अशोक गहलोत ने इसकी स्वीकृति दी है। ऐसे में जल्द ही नई भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। हालांकि यह भर्ती कॉन्ट्रैक्ट बेस पर होगी जैसे फिलहाल 10 हजार पदों पर भर्ती चल रही है। इस दौरान शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव नवीन जैन ने अधिकारियों को 2012 के आदेश को अमल में लाते हुए पासबुक सिस्टम पर लगाम लगाने के आदेश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विभाग में चल रही लाल फीता शाही को रोकने की नसीहत दी। जैन ने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकतर अधिकारी फाइल को सूंघकर ही डायरेक्ट्रेट ट्रांसफर कर देते हैं। नीचे के अधिकारी ऊपर के अधिकारी के पास मार्क करके भेजने में संकोच नहीं करते हैं जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। हमें समाधान की और आगे बढ़ना चाहिए। ऐसे में इस तरह के कल्चर को अब बदलने का वक्त आ गया है। जैन ने कहा कि ''नो बैग डे'' के नवाचार के तहत शिक्षा विभाग आगामी दिनों में स्कूलों में स्टूडेंट्स को ''गुड टच-बैड टच'', सड़क सुरक्षा, व्यक्तित्व विकास और कॅरियर काउंसलिंग, तम्बाकू निषेध और संविधान की उद्देश्यिका और मूल कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष अभियान शुरू करेंगे। जिसको लेकर अंतिम दौर की तैयारी चल रही है।

द्वारका से वृंदावन के लिए चले भगवान जगन्नाथ

बृज की गोपियों ने खींचा रथ, ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका से शामिल हुए भक्त

जयपुर. कासं। जयपुर गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय की ओर से गुलाबी नगरी में पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा का आयोजन गोविंद संकीर्तन एवं भक्ति मूवमेंट और राधा मदन मोहन मंदिर की ओर से किया गया। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शाम 4:00 बजे दीनदयाल सर्किल जनता कॉलोनी से शुरू हुई। यात्रा का मार्ग 6 किलोमीटर का रहा। जिसमें बीस दुकान, परनामी मंदिर, राजा पार्क, पंचवटी सर्किल, जवाहर नगर, मामा की होटल, सिंधी कॉलोनी, सेठी कॉलोनी होते हुए फिर से जनता कॉलोनी पहुंच यात्रा का विश्राम हुआ। गोविंद संकीर्तन और भक्ति मूवमेंट के संयोजक हेमंत शर्मा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की इस यात्रा में जयपुर सहित देश विदेश के भक्त शामिल हुए। उन्होंने बताया कि गौरी वैष्णव संप्रदाय के 300 से अधिक वक्त वृंदावन से आए हैं।

साथ ही ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी और प्रांत से 100 से अधिक कृष्ण भक्तों ने इस रथयात्रा में भाग लिया।

प्रताप नगर में भक्त लगा रहे ज्ञान गंगा में डुबकी...

ज्ञान से गुरुता नही, आचरण से गुरुता आती है : आचार्य सौरभ सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के प्रताप नगर सेक्टर 8 दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे आचार्य सौरभ सागर महाराज के चातुर्मास के दौरान, कलश स्थापना छठे दिन आचार्य सौरभ सागर ने अपने आशीर्वचन देते हुए कहा कि - संसार और मोक्ष में पांव और सिर का अंतर है। संसार में जीव पांव से बराबर होता है और मोक्ष में जीव सिर से बराबर होता है। सिर से बराबर होने के लिए गुरु से सम्बन्ध स्थापित किया जाता है। जिस प्रकार संतान की प्राप्ति के लिए शादी करना जरूरी है, मां बनने के लिए दुल्हन बनना आवश्यक है। उसी प्रकार मोक्ष जाने के लिए गुरु से सम्बन्ध बनाना आवश्यक है। गुरु बनाने का अर्थ होता है - मैने जगाने वाले को चुन लिया, मैने पाप मिटाने वाले को स्वीकार कर लिया है। लेकिन गुरु बनाने से पूर्व गुरु को कसौटी में कस लेना। गुरु कौन हो सकता है ? समझ लेना। तराजू घर का हो सकता है पर बाट घर का नहीं हो सकता है। परीक्षक कोई भी हो सकता है पर परीक्षा का मापदण्ड आगम ही होता है। गुरु वही हो सकता जो नग्न हो, केश-लोंच करता हो, शरीर श्रृंगार से रहित हो, ज्ञान, ध्यान, तप में लवलीन हो, चारों ओर से समता भाव पूर्वक सभी प्रकार के व्यवधानों को सहने की क्षमता रखता हो, अपनी आत्म शक्ति को जागृत करने, संघर्ष, उपसर्ग परिषहों को सहने की क्षमता रखता हो, वही गुरु हो सकता है। आचार्य सौरभ सागर ने कहा कि पंडित शास्त्र में डूबता है और गुरु आचरण में डूबता है। आचरणवान सर्वप्रथम जीवरक्षा हेतु पिच्छी ग्रहण करता है। पिच्छी पाप से भयभीत करती है। पिच्छी का कठोर भाग साधु के हाथ में होता है और मृदु भाग भक्त की ओर होता है। कारण मात्र इतना ही है कि साधु आचरण के प्रति कठोर और भक्तों के प्रति मृदु होता है। उनसे नाराज नहीं होता क्योंकि नाराज तो महाराज नही, महाराज तो नाराज नहीं। अभिशाप भी नही देता, अभिशाप देने वाला भीतर से हिंसा के परिणामों से भरा रहता है। इसलिए भगवान महावीर स्वामी ने सबसे पहले अहिंसा का उपकरण पिच्छी दिया है। जैन साधु मोर पंख की पिच्छी रखते है। यह पिच्छी जीवों को अभयदान देती है। इसलिए भारत सरकार ने मोर को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया है और मारने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मोर अंत तक रहेंगे और साधु भी काल के अंत तक रहेंगे। प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां ने बताया की रविवार को प्रातः 8.15 बजे से संत भवन में विशेष प्रवचन होगे। जिसमें प्रताप नगर, सांगानेर, टोंक रोड़, बापू नगर, बनीपार्क, मानसरोवर सहित देशभर के सैकड़ों श्रद्धालु भाग लेकर ज्ञान की गंगा का रसपान कर धर्मलाभ उठाएंगे।

कर्नाटक में दिगंबर जैन साधु के अपहरण के बाद निर्मम हत्या, जैन समाज में आक्रोश

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन समाज अहिंसक समाज है और जैन साधु अहिंसा का सबसे बड़े प्रचारक है जो देशभर में घूमते, फिरते हुए और चातुर्मास के दौरान भी अहिंसा का प्रचार करते है किंतु बुधवार को कर्नाटक के चिकोड़ी से लापता हुए जैनाचार्य काम कुमार नंदी महाराज को भी अहिंसा के प्रचार में हिंसा का शिकार होना पड़ा। आचार्य काम कुमार नंदी चिकोड़ी में थे वह लापता हुए तो गुरुवार को चिकोड़ी समाज ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई, उसके बाद जांच पड़ताल हुई और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया तो उन्होंने आचार्य की निर्मम हत्या की बात कबूली और उनके शव के टुकड़े कर फेकने की बात कबूली। अब जैसे समाज बंधुओ को इस घटना की जानकारी मिली तो संपूर्ण भारत के जैन समाज में यह खबर आग की तरह फैल गई और समाज में आक्रोश फैल गया। अब जैन समाज ''कर्नाटक के मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहे है और साथ ही साथ आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रहे है।'' अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ ने कर्नाटक सरकार से मांग की है की आरोपियों ने किन मसूबों को ध्यान में रखकर आचार्य श्री की हत्या की है उसका खुलासा किया जाए और समाज को बताया जाए। आरोपी कौन है इसका खुलासा किया जाए और जांच निष्पक्ष किए जाने की मांग की। यह केवल जैन आचार्य की हत्या नही बल्कि जैन समाज की आस्था पर कड़ा प्रहार है, जिसे समाज कभी स्वीकार नही करेगा। जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की आचार्य काम कुमार नंदी महाराज गणाचार्य कुंथु सागर महाराज के शिष्य है। वह 15 वर्षो से एक ही धाम पर विराजमान थे। यह कोई नही सोच सकता इतने वर्षो तक एक धाम पर विराजमान रहकर भी कोई उनकी हत्या कर सकता है। जिस प्रकार जैनाचार्य की हत्या को अंजाम दिया गया है उससे देश की आस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा है, हो ना हो यह सुनियोजित षडयंत्र है जिसके चलते जैन समाज की आस्था को ठेस पहुंचाई जा सके। भारत एक धर्म प्रधान देश है जब इस देश में धर्म के प्रचारक साधु - संत ही सुरक्षित नही है तो समाज और आम लोगों की क्या दुर्दशा हो रही होगी। यह घटना इस बात का खुलासा कर रही है। अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की अभी ही कुछ ही माह पूर्व कर्नाटक में चुनाव संपन्न हुए है और राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी है, चुनावों के दौरान कांग्रेस ने पब्लिक सुरक्षा को बेहतर बनाने का दावा किया था। किंतु अब सत्ता में बैठकर कांग्रेस अपने दावों की भूल गई और अब सरकार के दावों की पोल खुल गई है। अगर कर्नाटक सरकार ने मामले पर गंभीरता नही दिखाई तो संपूर्ण देशभर का जैन समाज कर्नाटक सरकार को गंभीरता से लेगा। जानकारी के अनुसार आचार्य काम कुमार नंदी का 5 जुलाई को अपहरण हुआ था। आरोपी उन्हे अज्ञात स्थान ले गए और शनिवार को उनकी हत्या की सूचना भी पुलिस प्रशासन द्वारा मिली। अभी तक पुलिस जैनाचार्य के हाथ व पैरों को ही एक जगह से बरामद कर पाई है और दो लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जांच में आरोपियों का कहना है कि हमने शरीर के टुकड़े करके इधर-उधर डाले थे। मामले की अभी जांच चल रही है। इसकी पूरे घटनाक्रम की जानकारी ने पूरे जैन समाज को स्तब्ध कर दिया है जैन संतों के पद विहार और प्रवास में हो रही असुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर रही है।

जयपुर लाल कोठी स्थित श्री रामाकृष्णा (SRK) हॉस्पिटल में किया गया पहली बार दो साल के बच्चे का बिना चीरफाड़ के दोनों किडनी की नलियो में पथरी का ऑपरेशन (ureteric calculas)

जयपुर. शाबाश इंडिया। कोटपूतली निवासी राकेश गुर्जर अपने दो साल के बच्चे शिवांश के असहनीय दर्द के साथ डॉ. राकेश शर्मा को दिखाने जयपुर लाल कोठी स्थित हॉस्पिटल में पहुंचा। परामर्श करने पर पता चला शिवांश पिछले पाँच दिनों से असहनीय पेट दर्द से पीडित है। अल्ट्रासॉउन्ड और रंगीन एक्सरे करवाने पर पता चला बच्चे की पेशाब की दोनों साईड की नलियों में 8 और 9 एम-एम की पथरी फसी हुई है। जिसके कारण बच्चे को असहनीय दर्द के साथ साथ गुर्दो में सूजन भी है, जिस से बच्चे के गुर्दे खराब होने का अंदेशा बना हुआ था। डॉ. राकेश शर्मा (यूरोलोजिस्ट) एवं निदेशक हॉस्पिटल जयपुर ने बताया की उन्होंने अपनी अभी तक की मेडिकल प्रेक्टिस में इतनी कम उम्र के बच्चों में इस तरह के जटिल केस बहुत कम देखे है उनमे से शिवांश भी एक है, परिजनों को शिवांश की स्थिति के बारे में समझाते हुए डॉ. राकेश शर्मा ने बताया की पथरी की वजह से शिवांश के दोनों गुर्दो में सुजन है जिसकी वजह से गुर्दे खराब होने का अंदेशा बना हुआ है। परिजनों को शिवांश की स्थिति को समझाते हुए उन्होंने उन्हें तुरंत ऑपरेशन करने की सलाह दी। परिजनों के हां करने पर शिवांश का अत्याधुनिक ₹थुलियम फाइबर लेजर₹ पद्दित से बिना चीरफाड़ के सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद परिजन काफी खुश दिख रहे थे वही शिवांश के चेहरे पर भी दर्द से राहत देखी जा सकती थी। हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होते समय शिवांश के पिता राकेश गुर्जर और चाचा राजेंद्र गुर्जर ने हॉस्पिटल के सभी स्टाफ और डॉ. राकेश शर्मा और उनकी टीम का ह्रदय से धन्यवाद किया।

जयकारों के साथ 12 बसों से सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी रवाना हुआ 2 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल

महावीर जी-ज्ञान तीर्थ मुरैना-होते हुए यात्री पहुंचे सोनागिर जी

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह में श्रद्धालु होंगे शामिल

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री स्वस्ति भूषण जयपुर प्रवास व्यवस्था समिति के बेनर तले 12 बसों से जयकारों के साथ दो दिवसीय धार्मिक यात्रा दल शनिवार 8 जुलाई को सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी के लिए रवाना हुआ। समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः 6 बजे जयकारों के बीच यात्रा दल की बसें प्रतापनगर, चित्रकूट कालोनी, अग्रवाल फार्म, सांगानेरी गेट से रवाना होकर खानियां पहुची जहां यात्रा दल को समाजश्रेष्ठी कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया ने जैन ध्वज दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व प्रतापनगर के हल्दीघाटी गेट से जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के तत्वावधान में यात्रियों की दो एसी बसें रवाना हुई। बसे खानियां पहुंचकर 12 बसों के बेड़े में शामिल हुई। यात्रा दल जयपुर से रवाना होकर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी पहुचा जहां यात्रियों ने जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर पहुंच कर भगवान महावीर के दर्शन किए। अन्य मंदिरों के दर्शन लाभ कर भोजन उपरांत यात्रा दल मुरैना स्थित ज्ञान तीर्थ पहुंचा जहां सायंकालीन भोजन के उपरांत मंदिर एवं आचार्य ज्ञेय सागर महाराज ससंघ के दर्शन एवं आरती कर यात्रा दल ने सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी पहुंच कर रात्रि विश्राम किया। सिद्ध क्षेत्र श्री सोनागिर जी में रविवार 9 जुलाई को प्रातः5.00 बजे से पर्वत वन्दना करते हुए पहाड़ पर 77 मंदिरों के सामूहिक दर्शन, अभिषेक, शांतिधारा पूजा अर्चना कर यात्रीगण नीचे उतरेंगे। तलहटी के 27 मंदिरों के दर्शन लाभ प्राप्त कर गणिनी आर्यिका लक्ष्मी भूषण माताजी एवं स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के दर्शन लाभ व आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। दोपहर में 1 बजे से गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के वर्ष 2023 के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह में शामिल होंगे। सायंकाल भोजन एवं आरती करने के बाद वापस जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

मूक बधिर विद्यालय में कूलर भेंट किया

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। जैन रॉयल ग्रुप द्वारा कोटड़ा स्थित अपना घर मूक बधिर एवं दृष्टिहीन संभाग स्तरीय आवासीय विद्यालय के अध्यनरत बच्चो को बढ़ती गर्मी एवम् उमस से राहत देने हेतु कूलर भेंट किया गया। साथ ही वहां रहने वाले लगभग 80 बच्चों को सात्विक भोजन करवाया गया। ग्रुप के लोकेश सोजतिया ने इस अवसर पर कहा कि मूक बधीर बच्चे भी सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन जी सकते हैं। उन्हे हमदर्दी की बजाय होंसला अफजाई की जरूरत हैं, ताकि वे अपनी जिंदगी सर उठा के जी सके। इस अवसर पर लोकेश सोजतिया महक गोलेच्छा, मोहित जैन, गौरव मेहता, राकेश मेहता, गौरव कटारिया, पवन पीपाडा, संदीप बोहरा, गुलशन मेहता, आयुष घम्माणी, मीनाक्षी सोजतिया, श्रुति जैन, भावना गोलेच्छा, प्रीती बोहरा, सरोज मेहता, स्वाति मेहता आदि गुप सदस्य उपस्थित थे। विद्यालय व्यवस्थापक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

आचार-विचार

सादा जीवन, उच्च विचार का मतलब यही है कि मनुष्य के स्वभाव में सादगी, लेकिन उसके विचार उच्च होने चाहिए। जो व्यक्ति अपनी धन-संपदा, वैभव व ज्ञान का दिखावा करता है, वास्तव में वह महाअज्ञानी होता है। धन या ज्ञान से समृद्ध होने के बाद तो व्यक्ति का स्वभाव फल लगे वृक्ष की तरह हो जाना चाहिए। जिस तरह फल लगने के बाद वृक्ष झुक जाता है, उसी प्रकार ज्ञान व धन प्राप्त करने के बाद मनुष्य को भी विनम्र हो जाना चाहिए। जीवन में सादगी को अपनाना और तुच्छ विचारों का त्याग करना मनुष्य का महान गुण है, जबकि स्वयं पर गर्व या अभिमान करना उसका सबसे बड़ा अवगुण है। हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने अहंकार व स्वार्थ को त्यागकर विनम्रता, त्याग, परोपकार जैसे गुणों को आत्मसात करे। किसी व्यक्ति ने चाहे कितने ही शास्त्र क्यों न पढ़े हों, लेकिन जब तक वह शास्त्रों में दिए गए ज्ञान को अपने आचरण में नहीं उतारता है तो उसका शास्त्र पढ़ने का कोई फायदा नहीं है। मनुष्य का आचरण ही उसे महान बनाता है, क्योंकि अच्छे आचरण से उसमें उच्च विचार जन्म लेते हैं और ये विचार ही उसके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। हमारे मन-मस्तिष्क में जैसे विचार आएंगे, हमारे कर्म भी वैसे ही होंगे। महात्मा बुद्ध का कहना था कि सभी गलत कार्य हमारे मन से ही उपजते हैं। अगर मन परिवर्तित हो जाए तो गलत कार्य भी नहीं होंगे। हमारा मन ही हमें यहां-वहां भटकाता रहता है। इसलिए जो व्यक्ति अपने मन को साध लेता है, वह कभी गलत कार्य नहीं करता। मनुष्य में विनय, सहिष्णुता, साहस, चरित्र-बल आदि गुणों का विकास होना अति आवश्यक है, क्योंकि इनके बिना उसका जीवन सफल नहीं हो सकता। जिस तरह भूमि की उर्वरता का पता बोए गए बीज से लगता है, उसी प्रकार व्यक्ति के आचार-विचार से उसकी कुलीनता का पता चलता है। खुद को विनम्र रखना और अपने पैरों को जमीन पर टिकाए रखना ही मनुष्य की शक्ति का प्रतीक है। मनुष्य को कभी अपने धन-वैभव पर अभिमान करने के बजाय सादगी से जीवन जीना चाहिए। सादा जीवन जीने वाला व्यक्ति विनयशील, शिष्ट और आत्मनिर्भर होता है, जबकि स्वयं पर झूठा अभिमान करने वाले का अभिमान ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाता है।

संपादकीय

अब डेटा का दुरुपयोग करने वालों पर होगी कार्यवाही

इलेक्ट्रानिक उपकरणों के तेजी से बढ़ते उपयोग को देखते हुए लोगों के व्यक्तिगत ब्योरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी के मद्देनजर व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम बनाया गया था। मगर उसमें खामियां होने की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों और व्यावसायिक संगठनों ने एतराज जताया था। इसलिए सरकार ने उस अधिनियम को वापस ले लिया था। पिछले साल इसमें संशोधन करके लोगों की राय लेने का प्रयास किया गया और उसी के आधार पर अब इसे अंतिम रूप दे दिया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी है और इसके मानसून सत्र में कानूनी रूप पा जाने की उम्मीद है। इस विधेयक में व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग करने वालों पर भारी जुर्माने और आम लोगों को मुआवजे का दावा करने का प्रावधान किया गया है। इसमें अलग-अलग पांच प्रकार के दंड निर्धारित किए गए हैं। माना जा रहा है कि अब इस विधेयक पर एतराज की गुंजाइश नहीं रह गई है। मगर देखना है कि इस विधेयक को कितने पारदर्शी और व्यावहारिक ढंग से लागू किया जा पाता है, ताकि लोगों के व्यक्तिगत डेटा में सेंध लगाने वालों पर नकेल कसी जा सके। दरअसल, डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग के बीच बहुत सारी कंपनियां और डेटा चोरी करने वाले लोगों के व्यक्तिगत ब्योरों की चोरी करते देखे गए हैं। इसके चलते बहुत सारे लोगों के साथ धोखाधड़ी भी होती है। बैंकों से पैसे निकाल लेने, ठगी करने की अनेक शिकायतें आती रहती हैं। बहुत सारी कंपनियां, संस्थान खुद लोगों से जो व्यक्तिगत विवरण मांगते हैं, उन्हें दूसरी व्यावसायिक कंपनियों को मामूली पैसे पर बेच देते हैं। ऐसे में लोगों की अपने व्यक्तिगत विवरणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई थी। इसी चिंता को दूर करने के लिए नया विधेयक लाया जा रहा है। हालांकि व्यावसायिक कंपनियों को एतराज था कि चूंकि वे लोगों के व्यक्तिगत डेटा अपने उपयोग के लिए जमा करती हैं, इसलिए अगर उनके व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगेगी तो उनके कारोबार पर असर पड़ेगा। मगर सरकार ने उनके एतराज को नजरअंदाज कर दिया है। यहां तक कि सरकारी संस्थानों को भी इसके दायरे से बाहर नहीं रखा है। जाहिर है, इस विधेयक के कानूनी रूप में लागू हो जाने के बाद कंपनियों के मनमाने तरीके से लोगों के व्यक्तिगत डेटा के उपयोग पर अंकुश लगेगा। वे नाहक लोगों को फोन करके परेशान करने से भी बचेंगी। सबसे चिंता की बात लोगों के मोबाइल फोन, मेल, कंप्यूटर आदि से उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी करके उनके बैंक जमा खाते या दूसरी तरह की जमाओं में सेंधमारी करने वालों पर नकेल कसना है। पिछले दिनों जब फोन पर संदेश आदि के जरिए इस तरह की सेंधमारी करने वालों पर नकेल कसने की कोशिश की गई तो उन्होंने वाट्सऐप के जरिए यह धंधा शुरू कर दिया। इस तरह इसमें उन सेवा प्रदाता कंपनियों की भी जवाबदेही बनती है, जो अपने ग्राहकों को मोबाइल, इंटरनेट आदि सेवाएं प्रदान करती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

विवेक शुन्य

सहिष्णुता को एक बेहतर मानवीय मूल्य मानने और बताने में कोई कमी नहीं की जाती। पिछले कुछ समय से समाज के आम व्यवहार में जिस तरह की प्रवृत्तियां घुलती जा रही हैं, उसमें ऐसा लगने लगा है कि लोगों के भीतर इस तरह के मूल्यों की जगह बहुत कम हो रही है। बेहद मामूली बातों पर भी जिस तरह न केवल आक्रामक और हिंसक हो जाने, बल्कि पीट-पीट कर हत्या तक कर देने जैसे मामले सामने आ रहे हैं, वे इस बात का संकेत हैं कि लोगों के लिए विवेक का इस्तेमाल करना अब कोई जरूरी बात नहीं रह गई है। गौरतलब है कि दिल्ली के वजीराबाद इलाके में राह चलते दो लोग आपस में टकरा भर गए। सभ्य होने का तकाजा यह था कि ऐसी स्थिति में दोनों को एक दूसरे से सौहार्द के लहजे में माफी मांग कर आगे बढ़ जाना चाहिए था। लेकिन इसके उलट एक व्यक्ति इस हद तक आक्रामक हो गया कि उसने दूसरे की पीट-पीट कर हत्या कर दी। दिल्ली के ही द्वारका इलाके में हुई दूसरी घटना में भी अभद्र भाषा को लेकर एक व्यक्ति के साथ कुछ लोगों की बहस हो गई और वहां भी आरोपियों ने उसे पीट-पीट कर मार डाला। दिल्ली में हुई ये दोनों घटनाएं आए दिन देश भर में सामने आने वाले वाकयों की एक कड़ी भर हैं। सड़क पर वाहन चलाते हुए या गली-मोहल्ले में चलते या आस-पड़ोस में किसी बहुत साधारण बात पर दो पक्षों के बीच विवाद शुरू होता है और वह किसी समाधान पर पहुंचने के बजाय एक त्रासदी में खत्म होता है। सवाल है कि क्या लोगों के पास विवेक का इस कदर अभाव हो गया है कि वे बहुत छोटी बातों का भी हल निकाल पाने में नाकाम हो रहे हैं और किसी की हत्या कर देना ही उन्हें अकेला उपाय लगता है! अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सिर्फ आपस में टकरा जाने या किसी से वाहन छू जाने भर के बाद बेलगाम हिंसक रुख अख्तियार कर लेने वाले के भीतर इतना समझ पाने का भी विवेक नहीं बचता कि आवेश में आकर वह जो कर रहा है, उसका हासिल क्या होगा और उसके बाद उसे किन परिस्थितियों का सामना कर पड़ सकता है। किसी व्यक्ति या समाज के सभ्य होने की कसौटी यही होती है कि उसमें लोग अपने आम व्यवहार को लेकर संयत रहें, सामान्य स्थितियों में सबके साथ सलीके से पेश आएं और प्रतिक्रिया की जरूरत पड़ने पर धीरज के साथ पहले विवेक का प्रयोग करें। संवाद और सौहार्द ऐसा जरिया हैं, जो गंभीर और जटिल समस्याओं का भी हल निकाल सकते हैं। विडंबना यह है कि एक ओर अमूमन हर स्तर पर आधुनिक होने का दम भरने में कोई कमी नहीं की जाती और दूसरी ओर बहुत सारे लोगों के भीतर बर्ताव का सलीका गायब होता जा रहा है। हालत यह है कि मामूली बातों पर भी कुछ लोग इस कदर आपस में युद्ध के दुश्मन की तरह हिंसक हो जाते हैं कि नाहक ही किसी की जान तक चली जाती है। जबकि अगर कोई बात असहमति से आगे बढ़ कर विवाद के रूप में तब्दील होती दिखे तो व्यक्ति अपने विवेक का इस्तेमाल करके उसका समाधान आसानी से निकाल सकता है। इसके लिए बस अपने आप पर भरोसा और धीरज का होना जरूरी है। लेकिन अक्सर ऐसे मामले देखे जा सकते हैं, जिनमें लोग अहं और अविवेक का शिकार होकर आक्रामक और हिंसक रुख अख्तियार कर लेते हैं। नतीजतन, किसी की हत्या हो जाती है और इसका दोषी अपनी जिंदगी का बड़ा और अहम हिस्सा जेल की सजा काटते हुए बिताता है।

इंटरनेशनल सुविधाओं से परिपूर्ण एयरपोर्ट से बढ़ेगा मेडिकल टूरिज्म: अंकित अग्रवाल

गीतांजली विश्वविद्यालय का दीक्षांत 11 को, लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला आएंगे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लेकसिटी के निजी गीतांजली विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 11 जुलाई को होगा। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि के रूप में 139 को स्वर्ण पदक सहित 38 को विद्यावाचस्पति और विभिन्न स्नातक-स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार मयूर रावल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दीक्षांत-2023 के समारोह में विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ. रणदीप गुलेरिया होंगे। गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन व गीतांजली विश्वविद्यालय के चांसलर जे.पी अग्रवाल की उपस्थिति में स्नातकों, स्नातकोत्तरों व डॉक्टरेट विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व डिग्री प्रदान की जाएगी। गीतांजली यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. एफएस मेहता ने बताया कि गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन अग्रवाल का सपना था कि उदयपुर में ऐसी अत्याधुनिक सेवाएं शुरू की जाएं, जिससे कि लोगों को बाहर न जाना पड़े। साथ ही चिकित्सक, फार्मा, नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथैरेपी के क्षेत्र में शिक्षा व सुविधाएं दोनों प्रदान की जा सकें। इसी सोच के साथ गीतांजली हॉस्पिटल 2006 और गीतांजली विश्वविद्यालय की शुरूआत 2008 में की गई। उन्होंने यह भी बताया कि एमबीबीएस में 250 सीटों का कीर्तिमान का श्रेय यहां की फैकल्टी को जाता है। बता दें, वर्तमान में 152 सीटें एमडी एमएस, 17 सीटें डीएम एमसीएच की हैं। साथ ही सुपर स्पेश्यलिटी कोर्सेज भी शुरू हो चुके हैं। गीतांजली विश्वविद्यालय में फार्मेसी कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, नर्सिंग स्कूल, फिजियोथैरेपी स्कूल व डेंटल कॉलेज प्रमुख हैं। यहां के विद्यार्थी देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक गीतांजली विश्वविद्यालय में लगभग 8000 विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं, जिनमें से 4000 से अधिक विद्यार्थी डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। इस मौके पर गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2024 में गीतांजली हॉस्पिटल जयपुर में भी कदम रख देगा। जयपुर का परिसर लगभग 30 एकड़ क्षेत्रफल में होगा। वहां हाई-एंड सुपर स्पेशलिटी की सुविधाएं मौजूद रहेंगी। आने वाले 5 सालों में उदयपुर व जयपुर में रिसर्च एंड डेवलपमेंट व स्टेट ऑफ दी आर्ट रोबोटिक सर्जरी सेंटर भी गीतांजली विकसित करेगा। उन्होंने उदयपुर में मेडिकल टूरिज्म बढ़ाने पर कहा कि जिस वक्त उदयपुर एयरपोर्ट इंटरनेशनल सुविधाओं से परिपूर्ण हो जाएगा, तब मेडिकल टूरिज्म बढ़ जाएगा। अंत में डीन डॉ. डी.सी. कुमावत और पीजी डीन डॉ.संगीता गुप्ता ने दीक्षांत संबंधी विस्तृत जानकारी दी। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

> वर्तमान में 152 सीटें एमडी एमएस, 17 सीटें डीएम एमसीएच की हैं। साथ ही सुपर स्पेश्यलिटी कोर्सेज भी शुरू हो चुके हैं। गीतांजली विश्वविद्यालय में फार्मेसी कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, नर्सिंग स्कूल, फिजियोथैरेपी स्कूल व डेंटल कॉलेज प्रमुख हैं...

संगिनी कैपिटल ने मनाया "समर स्प्लैश" कार्यक्रम

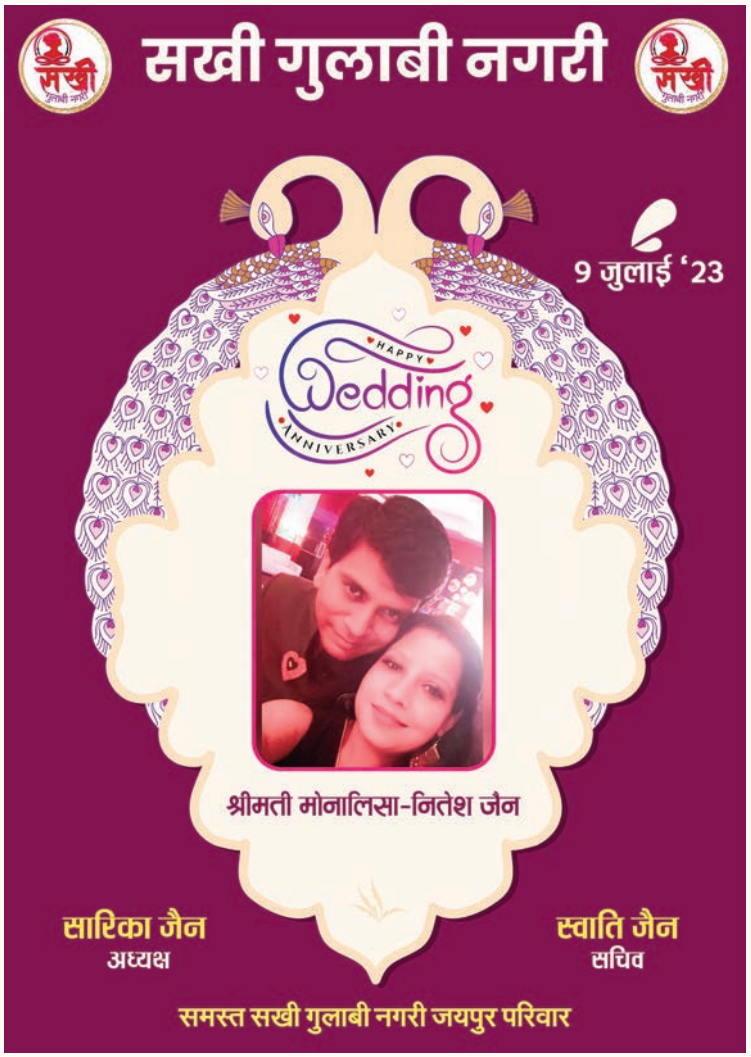

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी कैपिटल द्वारा टोंक रोड स्थित अंबर विला में पूल पार्टी कार्यक्रम ''समर स्प्लैश'' आयोजित किया गया। अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला पांडया व संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती विनीता जैन ने बताया कि यह कार्यक्रम रेनबो थीम पर आयोजित किया गया जिसमें सभी सदस्याओं ने रेनबो थीम पर हाउजी खेली व लकी ड्रॉ व गेम्स आदि में सभी को रंग बिरंगी छतरी प्रदान की गई। सचिव अलका गोधा ने कहा कि सभी सदस्यों ने वहां पर पूल पार्टी का भी मजा लिया व मनोरंजक गेम्स भी खेले। निवर्तमान अध्यक्षा श्रीमती मीना जैन चौधरी ने सभी सदस्यों को उपयोगी आयुर्वेदिक नुस्खे भी बताए कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती पिंकी जैन व मंजू बज द्वारा किया गया। पूर्व अध्यक्षा श्रीमती समता गोदीका व हेमा सोगानी ने बताया कि श्रीमती अनिता कटारिया द्वारा ग्रुप को म्यूजिक सिस्टम भेंट किया गया। सभी सदस्यों को इस कार्यक्रम में बहुत ही आनंद आया ।अंत में सचिव अलका जैन द्वारा सभी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया गया।

महावीर भवन मानसरोवर में उमड़ा श्रद्धा का जन सैलाब

महाप्रभावक, विघ्न निवारक, सर्वसिद्धिदायक स्तोत्र का जाप हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर किरण पथ स्थित महावीर भवन में विराजित महाश्रमणी राजस्थान सिंहनी गुरुमाता महासती श्री पुष्पवती जी(माताजी)म.सा.आदि ठाणा-7 के पावन सान्निध्य में आज महाप्रभावक, विघ्न निवारक, सर्वसिद्धिदायक उवसग्गहरं स्तोत्र का जाप हुआ जिसमें श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ा। धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तिनी मरूधरा शिरोमणि सदगुरुवर्या डॉ.श्री राजमती जी म.सा. ने फरमाया कि विवेकी और श्रद्धाशील प्राणी पापों का उसी प्रकार परित्याग करें जिस प्रकार सर्प अपनी पुरानी केंचुली को छोड़कर बिना पीछे मुड़े सरपट भाग जाता है। श्रद्धा का अभाव जीवन को अशांति, भीरूता और संकीर्णता से भर देता है जबकि श्रद्धाशील व्यक्ति स्व विवेक से पाप मार्ग और पुण्य मार्ग के अंतर को समझकर अपने जीवन के उच्चतम लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है। डॉ.साध्वी राज रश्मि जी म.सा. ने कहा कि जैन कुल के संस्कारों के कारण जैन साधना को देखकर उसे अच्छा समझने से अपने कुल की परंपरा मानकर मयार्दा में रहने का प्रयास करना चाहिए। मर्यादित जीवन ही संस्कारों का संरक्षण कर सकता है एवं धर्म आराधना में तत्पर होकर संवर,तप,निर्जरा के द्वारा आत्मकल्याण कर सकते हैं। डॉ.साध्वी राजऋद्धि जी म.सा. ने कहा कि मनुष्य का आचरण ही उसे महान बनाता है क्योंकि सदाचार से उच्च विचारों का जन्म होता है और उच्च विचारों से आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण होता है। संघमंत्री प्रकाश चंद लोढ़ा ने बताया कि पूज्या महासती वृंद की सद्प्रेरणा से श्री संघ में धर्म ध्यान तप जप के ठाठ लगे हुए हैं। आज उवसग्गहरं स्तोत्र जाप की प्रभावना का लाभ महेंद्र सिंह, सुशील,मोहित गोखरू परिवार द्वारा लिया गया। श्री संघ की ओर से उनका आभार व्यक्त किया गया। आगामी 9 जुलाई को प्रातः 5:40 बजे बड़ा मांगलिक एवं प्रार्थना होगी। प्रार्थना के पश्चात 6:15 बजे विशेष प्रवचन ''क्रोध पर नियंत्रण कैसे करें'' विषय पर होगा। प्रातः 8:30 बजे से 10 बजे तक दैनिक प्रवचन के पश्चात ''नवकार करे भवपार'' विषय पर धार्मिक ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन रहेगा। दोपहर 3 बजे से आगम वाचन एवं बाल संस्कार शिविर का आयोजन होगा।

भारत का पहला श्री सप्तऋषि जिनालय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव श्री महावीर जी मे सम्पन्न

सर्व रोग निवारण जिनालय आप के जीवन मे खुशियां प्रदान करें : मुनि श्री प्रार्थना सागर महाराज

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। आचार्य पुष्पदन्त सागर जी महाराज व जिनधर्म के समस्त आचार्यों के आशीर्वाद से सप्तऋषि जिनालय प्रणेता मुनि श्री प्रार्थना सागर जी महाराज मुनि चिन्मय सागर जी महाराज के सानिध्य में भारत का पहला सर्व रोग निवारण श्री सप्तऋषि जिनालय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव सा आंनद संम्पन हुआ। आयोजन के अनुष्ठानचार्य कपिल भैया जी व संघ संचालिका निर्मला दीदी द्वारा नवीन मंदिर में याग मंडल विधान वेदी शुद्धि सहित अन्य धार्मिक क्रिया की गई। बैंडबाजों के साथ मूलनायक भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी सिद्ध प्रभु व सप्तऋषि भगवान की प्रतिमाएं नवीन वेदी जी में विराजमान की गई जहाँ आयोजन से पूर्व भगवान के कलशाभिषेक शांतिधारा की गई। प्रतिष्ठा महोउत्सव पर गुरूदेव ने कहाँ की समस्त प्राणियों की सुख शांति समृद्धि की भावना भाते हुए सर्व रोग निवारण श्री सप्तऋषि जिनालय का निर्माण करना मेरा एक सपना था जो आज साकार होने जा रहा है। आप सभी श्री महावीर जी पधारकर निर्मल भावनाओं से मंदिर दर्शन कर अपने रोगों का समन करें। इस अवसर पर महावीर प्रसाद जैन देवली, राजेश जैन दिल्ली, नीरज जैन देवली, अरुण जैन, आदि मौजूद थे।

महावीर इंटरनेशनल संस्था का 49वां स्थापना दिवस सेवा सप्ताह में आठवें दिन वृक्षारोपण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल संस्था द्वारा संस्था के 49 वे स्थापना दिवस सेवा सप्ताह के अष्टम दिवस शनिवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम में संस्था सदस्यों द्वारा शहर के श्रेष्ठ पर्यटक स्थल शाकम्बरी माताजी गेट से मन्दिर जी के रास्ते पर भैरवनाथ पुजारी के सानिध्य में छायादार,आकशीजन प्रदाता पीपल, बरगद, नीम के पेड़ लगाते संस्था अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजित पहाड़ियां, वीर रतनलाल मेधवाल संदीप, सोनू पान्डया, दिनेश खोखरिया सपत्नीक महेश लढा, वार्डन गजेन्द्र सिंह ने 11 पौधे रोपने में सहयोग कर पेड़ बनने तक की सार संभाल की जिम्मेदारी ली।

इंडिया ओवरसीज स्कूल का 27वां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

इंडिया ओवरसीज स्कूल प्रताप नगर में विद्यार्थियो में शुभ संस्कार स्थापित करने के लिए ''नरसिम्हा यज्ञ'' एवम हरिनाम संकीर्तन का आयोजन कर अपना 27वां स्थापना दिवस स्कूल परिवार एवं विद्यार्थियों के साथ भारतीय संस्कृति के अनुरूप हवन एवं संकीर्तन कर हरे कृष्णा मूवमेंट के सानिध्य एवं सहयोग से मनाया। हवन का आयोजन श्री सिद्ध स्वरूप दास के निर्देशन में हुआ। इस हवन में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियो ने सामूहिक रूप से हरिनाम संकीर्तन किया एवम नरसिम्हा मंत्र का उच्चारण किया। प्रतिवर्ष होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य प्रेरक जीपी गुप्ता चेयरमैन इंडिया ओवरसीज स्कूल निदेशक मधु गुप्ता ने बताया कि विद्यालय में प्रतिवर्ष हरिनाम संकीर्तन एवम हवन का आयोजन किया जाता है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियो को समृद्ध भारतीय परंपरा एवम जीवनशैली से परिचित कराना है। जीपी गुप्ता ने कहा कि वर्तमान युग में विद्यार्थियो में अच्छे संस्कारों के द्वारा ही हम एक समृद्ध एवम सुसंस्कृत भारत का निर्माण कर सकेंगे। हवन के संपूर्ण होने पर विद्यालय की प्राचार्या हर्षिता ने हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का जलसेवा अभियान...

जल सेवकों का हुआ सम्मान

जल सेवा के कारण गंगापुर सिटी का नाम हुआ रोशन : मानसिंह गुर्जर पूर्व विधायक

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी द्वारा विगत कई महीनों से रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए की जा रही निशुल्क जलसेवा के अंतिम दौर में गत शुक्रवार को करौली रोड स्थित वृंदावन रिसोर्ट में जलसेवक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं आयोजकों द्वारा जल सेवा में सहयोग करने वाली जल सेवकों, सामाजिक संगठनों एवं अतिथियों का दुपट्टा उडाकर तिलक लगाकर माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर केअभिनंदन किया गया। ग्रुप के अध्यक्ष विमल जैन एवं महामंत्री डॉ मनोज जैन ने बताया कि महावीर जयंती से शुरू हुई है जलसेवा 15 जुलाई तक जारी रहेगी। इस अवसर पर उपस्थित जल सेवकों एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सदस्य परिवार जनों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने कहा कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा रेल यात्रियों के लिए भीषण गर्मी के मौसम में रेल यात्रियों के लिए की गई जलसेवा के कारण शहर का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने जलसेवको का अभिनंदन करते हुए कहा की गर्मी के मौसम में जहां लोग अपने घरों से कूलर और एयर कंडीशन से बाहर निकलना पसंद नहीं करते हैं दो तीन माह तक लगातार रेलवे स्टेशन पर आकर गर्मी से बेहाल रेल यात्रियों के लिए जल सेवा करना बहुत ही बड़ा सेवा कार्य है। इस अवसर पर नगर परिषद के सभापति शिवरतन अग्रवाल ने कहा कि सेवा के कार्यों में किसी व्यक्ति को पानी पिलाना सबसे पुनीत कार्य माना गया है। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के कार्यकताओं एवं शहर के समाजसेवियों ने जल सेवा को बेहतरीन तरीके से आयोजित किया है इसके लिए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के रीजन उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन अपने संबोधन में कहा कि मानव जीवन की सार्थकता मानव सेवा से ही है यदि हम एक दूसरे का सहयोग नहीं करेंगे तो समाज आगे नहीं बढ़ पाएगा। जैन ने कहा कि गंगापुर सिटी सोशल ग्रुप का नाम आज पूरे भारत में जल सेवा के लिए जाना जाता है। ग्रुप के अध्यक्ष विमल जैन एवं महामंत्री डॉ मनोज जैन जल सेवा में सहयोग करने वाले सभी जल सेवकों एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

जल सेवकों का किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान जल सेवा के मुख्य संयोजक एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष नरेंद्र जैन नीता जैन नृपत्या जल सेवा सह संयोजक धर्मेंद्र निशा पांड्या सौरव उर्वशी गंगवाल कृष्ण मोनिका जैन का जल सेवा के बेहतरीन आयोजन के लिए पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल ग्रुप के पदाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा तिलक लगाकर माला पहनाकर दुपट्टा उड़ा कर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान क्लब 91के सदस्यों द्वारा भी बासुदेव बंसल विनोद खंडेलवाल बिजेंद्र आर्य के नेतृत्व में मुख्य जलसेवा संयोजक नरेंद्र जैन नीता जैन एवं धर्मेंद्र निशा पांड्या का जोरदार तरीके से अभिनंदन किया गया। जल सेवक सम्मान समारोह के क्रम में जल सेवा में सहयोग करने वाले सतीश जैन पाड्या वीरेंद्र रेणु आर्य विनोद पूजा खंडेलवाल मुकेश मंजू गुप्ता अनुराग जिंदल वासुदेव बंसल राजेश अंजना गंगवाल मुकेश गुप्ता दीपक पवार मयंक कुमार नरेंद्र कुमार कुलदीप गौतम सुमित ललित कुमार जतिन कुमार महेंद्र सोनी शुभम गुप्ता पूर्णिमा गोयल सहित 3 दर्जन से अधिक कार्यकताओं का माला पहना का तिलक लगाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर सभापति शिवरतन अग्रवाल एवं ग्रुप के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान शहर के विभिन्न सामाजिक संगठन लायंस क्लब गरिमा, श्याम सखा मित्र मंडल, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन ,श्वेतांबर जैन समाज, श्वेतांबर जैन नवयुवक मंडल, निजी विद्यालय संघ सहित दर्जनों समाजसेवियों का अभिनंदन आयोजक मंडल द्वारा किया गया।

अनिमेय पावन वर्षा योग- 2023

आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ

चातुर्मास कलश स्थापना के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव आज मनाएंगे

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। उक्त उक्ति से आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ने आज बात प्रारंभ की। आपने कहा कि हमें मनुष्य पर्याय अनेकों बार मिल चुकी है, मोक्ष मार्ग में भी हम अनंत बार होकर आ गए, हम मोक्ष भी गए किंतु वापस लौट आए। किंतु भगवान मनुष्य पर्याय मैं केवल ज्ञान प्राप्त कर मोक्ष गए और वही रह गए। हम सिद्धो के बीच में भी रहे किंतु हमें सिद्धानुभूति नहीं हुई, इसलिए वापस मनुष्य पर्याय में आ गए। हमने अपने चेतन के बारे में कभी नहीं सोचा, चेतना के बारे में भी नहीं सोचा, मनुष्य को अपनी आत्मा की चिंता ही नहीं है, आत्मा का कल्याण कैसे होगा। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कहां बैठे हैं महत्वपूर्ण यह है कि हम किस भाव दशा को लेकर बैठे हैं। भाव सहित मन नहीं होगा तो हम नर्क भी जा सकते हैं। जितनी श्रद्धा से आदमी पाप करता है उतनी श्रद्धा से पुण्य नहीं करता। **माला तो कर में फिरे, मनवा फिरे बाजार:** सम्यक दर्शन आपको मालूम ही नहीं है तो मुक्ति की राह पर कैसे चलोगे। धर्म रूढ़ी से मत करना। अगर पढ़ोगे नहीं तो जानोगे कैसे और जानोगे नहीं तो अनुसरण कैसे करोगे। हित, मित, प्रिय वचन बोलना धर्म है। शब्द , पत्थर से भी ज्यादा घाव करते हैं, इसलिए कम बोलो मगर अच्छा बोलो। इसके पूर्व मुनि श्री विजयेश सागर जी महाराज जी ने भी धर्म सभा को संबोधित किया। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश विनायका ने बताया कि यह चातुर्मास इंदौर में ऐतिहासिक होगा। पूरे देश भर से गुरु भक्तों के आने की खबर है। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद कीर्ति स्तम्भ एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन , इंदौर रीजन के संयुक्त तत्वाधान में आज दोपहर 12:27 बजे मोदी जी की नसिया, बड़ा गणपति इंदौर पर आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ की चातुर्मास मंगल मय कलश स्थापना के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव भी उत्साह से मनाया जाएगा।

मनुष्य संसार में अकेले ही आया था और अकेले जायेगा : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया।

चैन्नई। स्वार्थ का हैं यह संसार शनिवार को साहूकार पेठ एस.एस.जैन भवन मे महासती धर्मप्रभा ने विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करतें हुए कहा कि दुनिया मे रिश्ते नाते सब नाम के हैं। यहा कोई किसी का नही हैं। इंसान दुनिया में अकेले आया था और अकेले ही जायेगा। मोह और अज्ञान के कारण सभी जीव आत्मा अनादि काल से संसार मे जन्म एवं मरण कर रहा हैं। भगवान महावीर ने ज्ञान को सच्चा प्रकाश बताया हैं। जब वह प्रकाश हमारे भीतर प्रकृट होगा। तभी जन्म मरण से छुटकारा मिलेगा,और आत्मा अजर अमर सुख को प्राप्त कर सकेगी। यह तभी संभव है , जब हमारा अज्ञान और मोह दूर हो जायेगा। अज्ञान और मोह को दूर करने के लिए मानव को संसार कि नश्वरता अस्थिरता पर गहन चिंतन कर धर्म के पथ पर अग्रसर होगा। संसार के रिश्ते नाते मोह और अज्ञान को एक सच्चा साधक ही समझ सकता हैं। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन करतें हुए श्रोताओं से कहा कि मानव धर्म,कल्याण मोक्ष का मार्ग जानता हैं।

तीये की बैठक

हमारी आदरणीया

श्रीमती विमला

धर्मपत्नी जयकुमार गोधा का आकस्मिक निधन हो गया है। तीये की बैठक सोमवार 10 जुलाई को प्रातः 9 बजे भट्टारक जी की नसिया, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर में होगी।

शोकाकुल : जतन देवी, प्रेम-निर्मला, विमल - सुशीला, रिषभ - रविकांता, रोशन-किरण, योगेश - सुमन, दिनेश-सरिता, राकेश-नीलू, नीरज - प्रिया, नितिन - पूजा, आलोक- प्रियंका, विकास - ज्योति, विपुल - गुंजन , निखिल - पायल , शालू, पुलकित, परम, सम्भव, रिया, प्राची, सम्यक व समस्त गोधा परिवार । प्रेमा रानावत, उषा-प्रदीप कासलीवाल, मधु-सुनील पाटनी, कल्पना - अनिल जैन, भारती शाह, बीना-मनीष छाबड़ा, वन्दना - मनीष टोंग्या, भूमिका-अभिषेक सेठी, तनुश्री अनूप, देवांग परिधि, यश प्रज्ञा, हर्ष ।

पीहर पक्ष: पदम कुमार, अक्षय, अरविंद, रोहित, गौरव बाकलीवाल परिवार बूंदी वाले